So far as the language is concerned, Kak-Borak in Bengali script has been declared as the Second State Language and has been introduced as a medium of instruction in selected primary schools.

The final question of the hon. member was regarding the direct contact of TUJS and the students' wing. So far we have no direct contact either with the TUJS or with the students' wing.

12.40 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED NON-DISBURSEMENT OF TAKAVI LOANS BY STATE GOVERNMENT TO FARMERS IN DROUGHT AFFECTED AREAS.

श्री कृष्णा राम आर्य (सीकर): अध्यक्ष महोदय, सूखाग्रसित प्रदेशों को भारत सरकार की ओर से किसानों को बीज, बैल, खाद और चारा खरीदने के लिए धनराशि दे दिये जाने पर भी प्रदेश सरकार किसानों को तकावी ऋण नहीं दे रही है। खरीफ की बुवाई के लिए बीज (बाजरा, मक्का, ज्वार, ग्वार, मोठ आदि) मंगवा कर नहीं दे रही है। बैल और ऊंट जो हल चलायेंगे उनके चारे की भी व्यवस्था नहीं कर रही है। ऐसे हालात के अन्दर सूखाग्रसित क्षेत्र का किसान अपना खेत बो सकने में असमर्थ रहेगा, किसान और राष्ट्र को इससे हानि होगी। अन्न का अभाव बढ़ेगा, भूख बढ़ेगी, भाव बढ़ेंगे, शान्ति भंग होगी। शासन और प्रशासन को भारी संकट का सामना करना होगा। इसलिए मैं सरकार का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाना चाहता हूं। कृषि मन्त्री महोदय प्रान्तीय सरकारों से सम्पर्क स्थापित करके इस समस्या का हल अविलम्ब निकलवाएं। वर्षा आरम्भ हो गई है, इसलिए इस कार्य में अब देरी करना किसान और राष्ट्र के हित में नहीं है।

(ii) RELEASE OF INDIAN WORKERS EMPLOYED BY ALISA CONSTRUCTION COMPANY IN DUBAI

श्री मूलचंद डागा (पाली): बड़ी हृदयविदारक घटना है। ऐसी बात सुन कर कलेजा मुंह को आता है और आंखों में पानी भर आता है। राजस्थान के सीकर जिले से 34 आदमी 26-4-80 को हवाई जहाज से मजदूरी के लिए ले जाए गये। वहां से वे एलीसा कंस्ट्रक्शन कं., दुबई में काम पर लगाए गए। उनसे सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक काम लिया जाता है और जब वे काम से विश्राम मांगते हैं तो उनकी बुरी तरह से धुनाई व पिटाई होती है। कुछ मजदूरों के तो हाथ-पांव तोड़ दिये गये हैं। उनको बाहर नहीं जाने दिया जाता और वे रात को एक छोटे कमरे में बंद कर दिये जाते हैं तथा पीने के लिए पानी तक उपलब्ध नहीं किया जाता है और आज तक उन लोगों को मजदूरी के रूप में एक पैसा भी नहीं दिया गया है। अब वे चाहते हैं कि किसी प्रकार वहां से छुटकारा पा जायें और वापिस हिन्दुस्तान आ जायें। यदि वह कम्पनी उनको छोड़ दे तो जान बच सकती है। इसके लिए भी विदेश मंत्री अपने स्तर पर दुबई सरकार से शीघ्रातिशीघ्र बात करके इन पीड़ित व्यक्तियों को मुक्त करायें।

MR. SPEAKER: Before I call upon Shri Harikesh Bahadur to raise a matter under Rule 377, I have to point out that under the well-established practice, no Member is allowed to raise more than one matter under Rule 377 during a week.

Shri Harikesh Bahadur has already raised a matter under this Rule on 2nd July, 1980 during this week. As the present matter is of considerable importance, I have allowed him to raise another matter during this week. I would, however, mention that this would not be a precedent for the future.

(iii) REPORTED DELAY IN THE ELECTION OF SPEAKER IN U.P. LEGISLATIVE ASSEMBLY.

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर): उत्तर प्रदेश विधान सभा अपने अध्यक्ष का चुनाव न कर सकी है। कार्यवाहक अध्यक्ष जिन्हें नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण कराने हेतु नियुक्त किया गया था, वे ही सदन की कार्यवाही का संचालन कर रहे हैं। यह एक अत्यन्त गंभीर संवैधानिक त्रुटि है। इस से